शास्त्रीय नृत्य
(Classical Dance)

शास्त्रीय नृत्यविधाएँ

→ शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में मिलती है।
↳ 'पंचम वेद'

(Information about classical dance is found in Bharat Muni's Natya Shastra).

→ शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या 8 है।
(The total No. of classical dances are 8)

↳ संस्कृति मंत्रालय के अनुसार → 9 (9वां – : छऊ)
↳ संगीत नाटक अकादमी → 8
↳ स्थापना: 28, जनवरी, 1953 (दिल्ली)

→ छऊ को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है।
(Chhau is also called semi-classical dance)

→ इसे UNESCO की अमूर्त सूची में 2010 में शामिल किया गया। इसके तीन प्रकार हैं–
(It was included in the UNESCO Intangible list in 2010
It has 3 types)–

(1). मयूरभंज छऊ → ओडिशा
(2). सरायकेला छऊ → झारखण्ड
(3). पुरुलिया छऊ → पश्चि॰ बंगाल

शास्त्रीय नृत्य		सम्बंधित राज्य
(1). भरतनाट्यम (↳ सबसे पुराना)	→	तमिलनाडु
(2). ओडिसी	→	ओडिशा
(3). मणिपुरी	→	मणिपुर
(4). कुचिपुड़ी	→	आंध्र प्रदेश

(5). कथक → उत्तर प्रदेश

(6). कथकली → केरल

(7). मोहनीअट्टम → केरल

(8). सत्रिया → असम

↳ सबसे नया (2000 में जुड़ा)

(9). छऊ → पश्चि० बंगाल; झारखण्ड; ओडिशा

भरतनाट्यम

↳ इसका पुराना नाम **सादिर था।**
(Its Old Name was Sadir).

↳ अन्य नाम/Other Name
- ↳ दासी अट्टम
- ↳ अग्नि नृत्य

↳ जानकारी → 2 Books
- शिल्पादिकारम
- अभिनय दर्पण (नंदिकेश्वर)

↳ यह मंदिरों को समर्पित है।
(It is dedicated to temples)

↳ शैव धर्म के विचारों की प्रस्तुति
(Presentation of the ideas of Shaivism)

↳ नृत्य का आरंभ "**आलारिपु**" से होता है।
(The dance begins with "Alaripu")

↳ इसमें छः भाग शामिल हैं— **आलारिपु** (आह्वान), **जातीस्वरम** (नृत्य भाग); **शब्दम** (शब्द के साथ लघु रचनाएँ) **वर्णम** (एक कहानी; जिसमें नृत्त और नृत्य दोनों शामिल हैं) **पदम** (धार्मिक प्रार्थना; भजन, संकीर्तन) और **तिल्लाना** (हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है)

ROJGAR WITH ANKIT

↳ नाट्य रूप का स्वरूप पाने वाला भारत का पहला शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम है।
(Bharatnatya is the first classical dance of India to take the form of a drama).

↳ कटका मुख हस्त मुद्रा इसमें 3 अंगुलियों को जोड़कर ॐ का प्रतीक निर्मित किया जाता है।
(Katka Mukha Hasta Mudra in this, the symbol of Om is formed by joining 3 fingers).

↳ नृत्य का अंत "तिल्लाना (थिलाना)" पर होता है।
(The dance ends on Tilana).

↳ नट्टूवार (भरतनाट्यम का शिक्षक) भरतनाट्यम में कविता पाठ करता है।
(Nattuvar (teacher of Bharatnatyam) recites the poem in Bharatnatyam.

↳ धुन के लिए कर्नाटक संगीत का प्रयोग होता है और एकल कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को दर्शाया जाता है; जिसे एकाहार्य लस्यांग कहा जाता है।
(Karnatka Music is used for the tune, and various roles are performed by a solo artist called Ekharya).

↳ भरतनाट्यम नृत्य की शैली — कलाक्षेत्र, वजुवुर, कलामण्डलम
(Bharatnatyam dances style):

भारतीय संगीत के दो भाग

उत्तर भारत → हिंदुस्तानी संगीत
दक्षिण भारत → कर्नाटक संगीत

नृत्य में प्रयोग वाद्ययंत्र: मृदंग; वीणा; बांसुरी आदि

↳ भरतनाट्यम पर ब्रिटिश सरकार ने 1910 में प्रतिबंध लगाया था।
(Bharatnatyam was banned by the British gov. in 1910).

↳ भरतनाट्यम के चित्र चिदम्बरम मंदिर (TN) के गोपुरम पर स्थित है। (Bharatnatyam paintings are located on the gopuram of Chidambaram Temple (Tamil Nadu).

ओडिसी

- गुरू पंकज चरणदास को ओडिशी नृत्य का जनक कहा जाता है। (Guru Pankaj charandas is called the father of Odissi dance).
- भगवान कृष्ण से संबंध है। (There is relation with Lord Krishna)
- यह नृत्य शैली भगवान जगन्नाथ की पूजा यात्रा से सम्बंधित है। (This dance style is related to the worship journey of Lord Jagannath)

- यह त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है। (It is done in Tribhanga Mudra)
- जयन्तिका ने 2 भागीय मुद्रा विकसित की। (Jyantika developed 2 part Mudra).
- इसे ओरीली भी कहा जाता है। (It is also called Orilli)
- इसकी शुरुआत "मंगलाचरण" से और अन्त "मोक्ष" पर होता है। (It begins with Manglacharan and ends with Moksha).
  मंगलाचरण : पृथ्वी माता को पुष्प अर्पित
  मोक्ष : थारिझम नृत्य से
- पखावज अक्षरों का प्रयोग; इस नृत्य को समाप्त करने के लिए किया जाता है।
- नृत्य उदाहरण — उदयगिरि — खंडगिरि गुफा (Dance Example)
- मुख्यतः महारियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य (Dance performed mainly by) → Maharis.
- नृत्यांगनाएँ शरीर से जटिल 'ज्यामितीय' पैटर्न बनाती हैं। इसे सचल मूर्ति कहा जाता है।

↳ यह नृत्य जल तत्व का प्रतीक है।
(This dance symbolizes the water element)

↳ प्रयोग वाद्ययंत्र, मंजीरा, पखावज, ढोल, सितार
(Musical Instruments): Manjira, pakhawaj, Dhol, Sitar.

मणिपुरी

↳ यह वैष्णव सम्प्रदाय से सम्बंधित है।
(It is related to the Vaishnava sect).

↳ भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल की कहानियाँ दर्शायी जाती हैं।
(Stories from the childhood of Lord Shri Krishna are shown)

↳ इसकी तीन प्रमुख शैलियाँ हैं— लाई हरोबा, संकीर्तन और रासलीला
(It has three main styles— Lai Haroba, Sankirtan and Rasleela)

↳ मणिपुरी नृत्य रासलीला को पहली बार 1779 में निंगथो चिंग-थांग खोंबा ने शुरू किया था।
(The Manipuri dance Rasleela was first introduced in 1779 by Ningtho Ching-Thang Khomba).

↳ जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी — मणिपुर
(J.L. Nehru Manipuri Dance Academy)

↳ इसमें पेना वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है।
(Pena instrument are used in this).

↳ इसमे नटगायन का प्रयोग किया जाता है।

↳ नृत्य वाद्ययंत्र बजाना, गाना गाना एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है इसे पुंग चोलम कहा जाता है; इसमें ड्रम का प्रयोग किया जाता है।

↳ (जागोई + चोलम) मणिपुरी के 2 प्रमुख भाग हैं—
(Jagoi + Cholem) are the 2 major part of Manipuri.

- इसमे 64 तालो का प्रयोग होता है।
  (64 Locks are used in this).
- नागबंध मुद्रा → जिसमे शरीर 8 के आकार मे वक्रो के माध्यम से जुड़ा होता है।
- इसमे कलाकार बेलनाकार स्कर्ट पहनते हैं जिसे पोटिआई कहा जाता है। (In this the performers wear a cylindrical skirt called potloi).
- इसमे कलाकार कभी भी दर्शको से सीधे आँख नही मिलाता है।
  (In this the artist never makes direct eye contact with the audience).